Geography Part-1 By :- Akhilesh Kumar.

R. N. College Hajipur.

17/07/2020

चीन
China

चीन को भौतिक प्रदेशों में विभक्त करें।

Ⓐ परिचय

Ⓑ उच्चावचीय विन्यास

Ⓒ भू-आकृति प्रदेश

Ⓐ परिचय :- चीन भारत का एक वृहत पड़ोसी देश है। इसका विस्तार 18° उत्तर से 54° उत्तरी अक्षांशों के बीच है तथा 74° पूर्वी से 135° पूर्वी देशांतर है। इसका क्षेत्र प्रशांत महासागर के मध्य एशिया तक 95,000 लाख वर्ग किमी है। उच्चावच की दृष्टि से विषम धरातलीय प्रकृति वाला देश है। यहाँ पर अनेक प्रकार के उच्चावचों का विकास हुआ है जो विभिन्न भू-आकृति भिन्न कालों के निर्मित हुई है। इसका सर्वोच्च उच्चावच 8848 km ऊँचा है जिसे एवरेस्ट कहते हैं इसी प्रकार यहाँ पर की निम्न घाटियाँ मिलती है जिसे तारिम बेसिन (225 km) तथा अनु जुंगेरिया बेसिन 190 km कहा जाता है।

(B) उच्चावचीय विन्यास

चीन में उच्चावच दृष्टि से स्थलरूपों को प्रतिशत में निम्न तालिका में देखा जा सकता है –

प्रकार	क्षेत्रफल कुल का %	उच्चावच मी० में	क्षेत्रीय ऊँचाई का %
1. ऊँचे पर्वत एवं पहाड़ी क्षेत्र	39%	5000-2000 मी०	33%
2. पहाड़ी क्षेत्र	34%	2000-1000 मी०	35%
3. नदी बेसिन	16%	500-1000 मी०	18%
4. समतल भूमि	11%	500 मी० से नीचे	14%

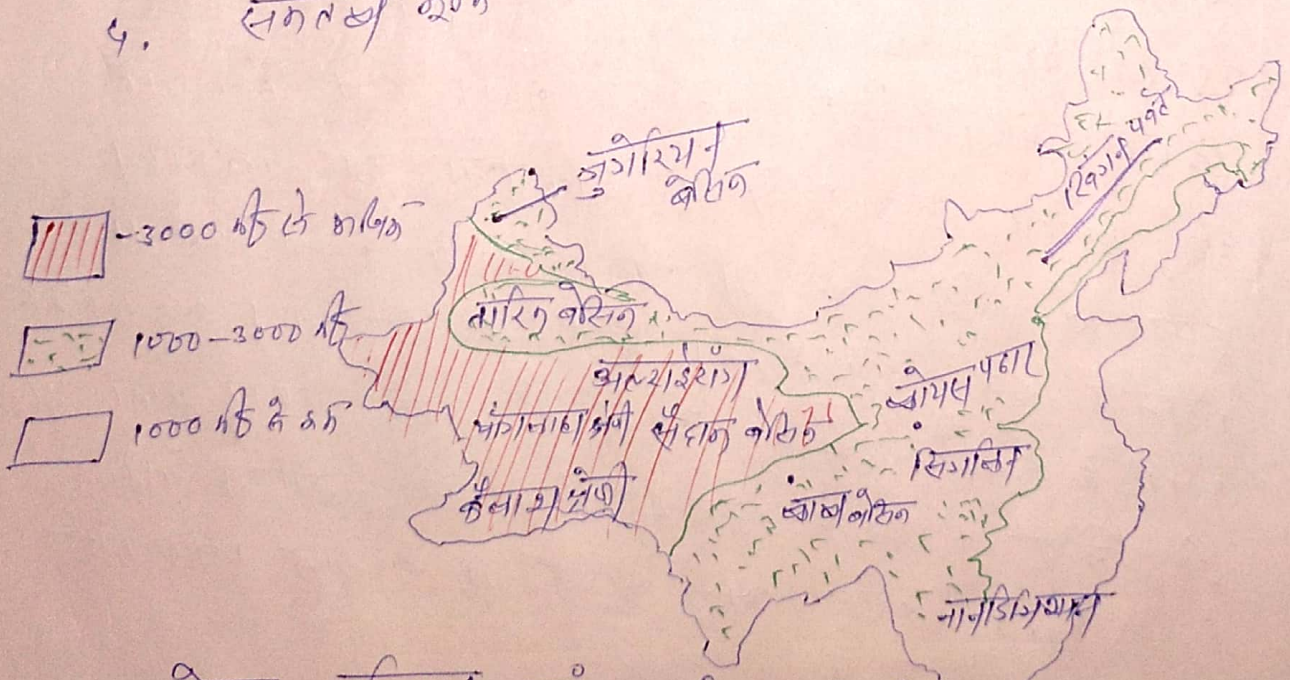

उपरोक्त तालिका एवं मानचित्र देखने से यह स्पष्ट होता है कि चीन में कृषि की भूमि ज्यादा समतल मैदान (11%) के क्षेत्र है। यही पर मानव बसाव का केन्द्र है तथा

समस्त आर्थिक गतिविधियाँ यहीं पर की जाती हैं।

© भू-आकृति प्रदेश

चीन में उच्चावच की विविधता की दृष्टि से पाँच प्रदेशों का विकास हुआ है—

(i) पर्वतीय क्षेत्र
(ii) पठारीय क्षेत्र
(iii) पर्वतीय एवं पठारी बेसिन के क्षेत्र
(iv) नदीकृत समतल मैदान
(v) चूना पत्थर विशिष्ट भू-आकृति

(i) पर्वतीय प्रदेश :-

इसका विस्तार चीन के लगभग 33% भू-भाग पर है। इसकी ऊँचाई 5000मी से अधिक है। क्रिटेशियस युग के जेनशान कल्चर तथा सेनिओजोयी युग के हर्सिनन हलचल से इसका निर्माण हुआ।

(ii) पठारीय क्षेत्र :-

चीन के पठारी क्षेत्रों का विकास पर्वतों के मध्य में ही हुआ है। इसे ऊँचे बेसिन के रूप में देखा जा सकता है। यहाँ पर चार प्रकार के पठार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं—

1. तिब्बत-चिंघाई पठार
2. युनान-गुइझोउ पठार
3. आंतरिक मंगोलिया पठार
4. लोयस का पठार

(iii) पर्वतीय पठारी बेसिन :-

किसी भी ~~बेसिन~~ की चारों ओर से बेसिन अथवा धार युक्त समतल भूमि कब जाता है। इसके अंतर्गत अनेक नदियों के मार्ग और इसमें समस्त प्रवाह क्षेत्र को बेसिन कहते हैं। चीन में इसके अंतर्गत 16% भूमि आती है। यह चीन के लगभग 12 लाख वर्ग किमी भूमि को घेरे हुए है इसमें चार बेसिन का विस्तार क्षेत्र है -

(क) सेचवान बेसिन

(ख) सदान बेसिन

(ग) तारिम बेसिन

(घ) जुंगेरियन बेसिन

इन सब में सेचवान बेसिन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है जिससे होकर अनेक नदियाँ मिलती हैं।

(iv) नदी से निर्मित जलोढ समतल मैदान :-

चीन में पाँच प्रकार के समतल प्राय मैदानों का विकास हुआ है जो निम्नवत है-

(क) ह्वांगहो और चिंहो नदी द्वार

(ख) यांगसिक्यांग

(ग) सिक्यांग मैदान

(घ) उत्तर-पूर्वी मंचूरिया का मैदान

(ङ) दक्षिण-पूर्वी समतल मैदान

(v) चुना प्रदेश की विशिष्ट भू-आकृति :-

दक्षिण चीन में यूनान प्रदेश में चूना पत्थर क्षेत्र की बहुलता है यहाँ पर अत्यधिक वर्षा एवं तापमान का प्रभाव इस क्षेत्र पर

पड़ता है जिसके कारण चूना पत्थर की विशिष्ट स्थलाकृतियों का विकास हुआ है जैसे:-

(i) एकाकी पहाड़ी

(ii) कपयरंध्र चूना से निर्मित स्तम्भ

(iii) छाया चीव

इन सभी आकृतियों को को स्थानिय भाषा में "पांजे" कहते हैं।

उपर्युक्त स्थलाकृतियों के विकास को देखने से यह स्पष्ट होता है कि चीन के विषम धरातलीय विन्यास मिलता है।